वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- I

(2018-2019, 2019-2020 एवम् 2020-2021 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-01

पाठ्य-पुस्तकें :

1. विद्यापति पदावली - संपा.डॉ. सुरेन्द्र दीक्षित (प्रकाशक-जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. जायसी-ग्रंथावली -संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रयारिणी सभा, वाराणसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. **विद्यापति पदावली : (17 से 50 क्रमांक पदावलियाँ)**
विद्यापति पदावली में यौवन –उद्गम का चित्रण।
विद्यापति पदावली में वर्णित सौन्दर्य चित्रण, विद्यापति काव्य का कलात्मक पक्ष।

इकाई-2. **जायसी- पद्मावत :**
'पद्मावत' में इतिहास और कल्पना, 'पद्मावत' में प्रबंधात्मकता, प्रेमाभिव्यंजना, रहस्यवाद, अन्योक्ति अथवा समासोक्ति और दार्शनिकता , 'पद्मावत' में विरह-वर्णन |

इकाई-3. भक्तिकाल: हिंदी साहित्य का सुवर्ण युग, विद्यापति पदावली में प्रेमानुभूति, विद्यापति पदावली में श्रृंगार चित्रण |

इकाई-4. हिंदी सूफी काव्य परंपरा , हिंदी सूफी काव्य परंपरा में जायसी का स्थान ।
'पद्मावत' में प्रकृति-चित्रण, 'पद्मावत' काव्य-सौष्ठव।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य-डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव
3. जायसी-एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
5. महाकवि जायसी और उनका काव्य-डॉ.इकबाल अहमद
6. पद्मावत का अनुशीलन-इन्द्रचन्द्र नारंग (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
7. जायसी ग्रंथावली-संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
8. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
9. विद्यापति पदावली-रामवृक्ष बेनीपुरी (राजकमल पकाशन, नई दिल्ली)
10. विद्यापति-जनार्दन मिश्र(रामनारायण लाल, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र -2. भारतीय काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-02

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. रस-सिद्धांत -रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार –सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई-2. रीति-सिद्धांत- रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली,
रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति -सिद्धांत -वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।
व्यावहारिक समीक्षा -किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

इकाई-3. ध्वनि -सिद्धांत -ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ,
ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

इकाई-4. औचित्य -काव्य -प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।
हिंदी कवि -आचार्यों का काव्य-शास्त्रीय चिंतन -लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।

अंक-विभाजन :

प्रश्न 1. इकाई 1 और 2 से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
2. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
4. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख
5. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित
6. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र
7. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
9. हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
10. काव्य के तत्त्व-देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

==========

प्रश्नपत्र - 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – भाग : 1 Core Course-03

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. कामकाजी हिंदी :

हिंदी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य-प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन,टिप्पण।
पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।
ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई-2. हिंदी कंप्यूटिंग एवम् पत्रकारिता-1:

कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब पब्लिशिंग का परिचय।
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक , रख-रखाव एवम् इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र,
पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार।

इकाई-3. हिंदी कंप्यूटिंग एवम् पत्रकारिता-2 :

इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना,
हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज।
हिंदी पत्रकारिता: उद्भव और विकास ।
प्रमुख प्रेस कानून एवम् आचार संहिता।

इकाई-4. समाचार-लेखन :

समाचार-लेखन-कला, संपादन के आधारभूत तत्व , व्यावहारिक प्रूफ शोधन ।
शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवम् शीर्षक-संपादन, संपादकीय-लेखन।
पृष्ठ-सज्जा , साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवम् प्रेस-प्रबंधन।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. इकाई 1 और 2 से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. **प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)**
2. **हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)**
3. **प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**
4. **राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)**
5. **प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**
6. **कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा**
7. **संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन**
8. **समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन**
9. **पत्रकारिता:विविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
10. **रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन**
11. **आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया**
12. **पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी**

==========

प्रश्नपत्र - 4. A. आधुनिक हिंदी काव्य Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें :

1. **प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**
2. **उर्वशी - रामधारीसिंह 'दिनकर'**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई- 1. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

'प्रियप्रवास' में विश्व कल्याण की कामना,
'प्रियप्रवास' का महाकाव्यत्व, 'प्रियप्रवास' - एक विरह काव्य,
'प्रियप्रवास' के पात्र- कृष्ण और राधा,
'प्रियप्रवास' में अभिव्यक्त मनोवैज्ञानिकता, 'प्रियप्रवास' का भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-2. उर्वशी - रामधारीसिंह 'दिनकर'

'उर्वशी' के सांस्कृतिक आधार, युगीन आदर्श, दार्शनिकता,
'उर्वशी' की प्रबंधात्मकता, उर्वशी और पुरुरवा का चरित्र- चित्रण।
'उर्वशी' प्रेम और सौन्दर्य का काव्य, 'उर्वशी' का भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-3. द्विवेदीयुगीन काव्य में अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का स्थान
'प्रियप्रवास' के गौण पात्र।

इकाई-4. राष्ट्रवादी कविता और 'दिनकर', 'उर्वशी' के गौण पात्र।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. **हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल**
2. **हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल**
3. **छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)**
4. **आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
5. **युग चारण दिनकर – सावित्री सिन्हा**
6. **दिनकर का काव्य –डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना**
7. **हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी**

==========

अथवा

प्रश्नपत्र -4. B. छायावाद Core Course-04

पाठ्य-पुस्तकें: 1. आँसू - जयशंकर प्रसाद

2. ग्राम्या – सुमित्रानंदन पन्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

इकाई-1. आँसु - जयशंकर प्रसाद :

छायावाद की एक प्रमुख रचना : 'आँसू',
'आँसू' का आलम्बन तथा काव्य-रूप , 'आँसू : एक विरह – काव्य,
'आँसू' में प्रकृति – चित्रण, 'आँसू' का भाव और कला पक्ष |

इकाई-2. ग्राम्या – सुमित्रानंदन पन्त :

'ग्राम्या' एक श्रेष्ठ ग्राम्य गीत के रूप में, 'ग्राम्या' में सामाजिक यथार्थ का चित्रण,
'ग्राम्या' में मानवतावादी चित्रण, 'ग्राम्या' में नारीवाद, 'ग्राम्या' का भाव और कला पक्ष |

इकाई-3 . छायावाद में प्रसाद का स्थान
छायावाद के प्रवर्तक, छायावाद का ऐतिहासिक महत्व।

इकाई-4. छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के पतन के कारण
छायावादी काव्य और सुमित्रानंदन पन्त।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. जयशंकर प्रसाद-आचार्य नंददुलारे वाजपेयी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित
4. पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
6. निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल

==========

प्रश्नपत्र – 5. विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल Core Course-05

पाठ्य-पुस्तकें : 1. सन्देश रासक - अब्दुल रहमान संपा.हजारीप्रसाद द्विवेदी-विश्वनाथ त्रिपाठी
(राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
2. ढोला मारू रा दूहा – कुशल लाभ संपा.रामसिंह, सूर्यकिरण पारीक, नरोत्तम स्वामी
(राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. सन्देश रासक - अब्दुल रहमान :
कवि अब्दुल रहमान का परिचय , 'सन्देश रासक' : आदिकाल की एक प्रमुख रचना, 'सन्देश रासक' का कथानक, 'सन्देश रासक' : विरह-वर्णन, ऋतु-वर्णन , 'सन्देश रासक' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष |

इकाई-2. ढोला मारू रा दूहा –कुशल लाभ
'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण, 'ढोला मारू रा दूहा': सौंदर्य-चित्रण, ढोला और मालवणी, 'ढोला मारू रा दूहा': काव्य-सौष्ठव, 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का विरह-वर्णन ।

इकाई-3. अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास, अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ अपभ्रंश और हिंदी काव्य का संबंध।

इकाई-4. आदि काव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक, श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य। आदि काव्य की शिल्प-गत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ, गेयता, काव्य-रूप एवम् भाषा।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- 2

(2018-2019, 2019-2020 एवम् 2020-2021 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र – 6. प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-06

पाठ्य पुस्तकें :

1. **बालकाण्ड : (रामचरितमानस) - तुलसीदास**
2. **घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (१ से ५० कवित्त) (संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. बालकाण्ड :

'बालकाण्ड' का काव्य-स्वरूप, 'बालकाण्ड' का वस्तु-विधान,
'बालकाण्ड' में अभिव्यक्त कवि की बाल सहज वृत्ति, 'बालकाण्ड' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-2. घनानंद कवित्त :

'प्रेम की पीर' के कवि घनानंद, घनानंद की भक्ति-भावना, घनानंद के काव्य की विशेषताएँ।

इकाई-3. भक्तिकाल: सगुण भक्ति-धारा और तुलसीदास :
रामभक्ति-धारा: उद्भव और विकास।

इकाई-4. रीतिकालीन काव्य-धाराएँ।
रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा में घनानंद का स्थान।

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. **तुलसी-संपा. उदयभानु सिह**
2. **तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र**
3. **गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल**
4. **तुलसीदास-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)**
5. **तुलसीदास-संपा.डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
6. **घनानंद और स्वच्छंद काव्य-धारा-डॉ.मनोहर गौड**
7. **घनानंद का काव्य-डॉ.रामदेव शुक्ल (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
8. **घनानंद का काव्य-शिल्प- डॉ.लखनपाल सिंह**

==========

प्रश्नपत्र -7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन Core Course-07

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 प्लेटो - काव्य-सिद्धांत , अरस्तू - अनुकरण-सिद्धांत, लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा , ज्योर्ज लुकाच की यथार्थवादी दृष्टि और साहित्य रूप।

इकाई-2 ड्राईड्रन के काव्य – सिद्धांत, वर्ड्सवर्थ -काव्य-भाषा का सिद्धांत , हॉरेस का काव्य-चिंतन कॉलरिज -कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना, मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।

इकाई-3 टी.एस.इलियट-परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य, आई.ए.रिचर्ड्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना। एफ.आर.लीविस-एक आलोचक के रूप में।

इकाई-4. सिद्धांत और वाद-शास्त्रवाद,नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।
आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ-संरचनावाद, शैली-विज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद-सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

अंक-विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाई से संक्षिप्त प्रश्न (आठ विकल्प से पाँच) (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र-डॉ.नगेन्द्र

2. काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी

3. उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन

4. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र

5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र

6. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

7. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह

8. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार, दिल्ली)

9. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

10. उत्तर आधुनिक:साहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र - 8 प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग – 2. Core Course-08

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई–1. मीडिया लेखन:

जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।
विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।
इंटरनेट- सामग्री सृजन।

इकाई- 2. अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार:

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।
हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।

इकाई-3. मीडिया लेखन :

श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा का प्रकृति, समाचार-लेखन एवम् वाचन, रेडियो नाटक।
उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन-लेखन,फीचर तथा रिपोर्ताज।
दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवम् वीडियो),दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति,
दृश्य एवम् श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा-लेखन,
टेली-ड्रामा-डॉक्यूड्रामा, संवाद-लेखन, विज्ञापन की भाषा।

इकाई-4. व्यावहारिक -अनुवाद-अभ्यास :

व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।
कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ,
पदनाम, विभाग।
पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद।

अंक-विभाजन- प्रश्न 1. पठित 1, 2 और 3 इकाईयों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 में से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 अंक)
इकाई 4 से (ब) एक – व्यावहारिक –अनुवाद (गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में) के साथ
अथवा में एक कार्यालयी अनुवाद टिप्पणी का प्रश्न (07 x 01 = 07 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. **प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)**
2. **हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)**
3. **प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**
4. **राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)**
5. **प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**
6. **अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त**
7. **मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी**
8. **अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी**
9. **मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)**
10. **रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन**
11. **आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया**
12. **समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन**
13. **संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन**

प्रश्नपत्र - 9. A. आधुनिक हिंदी काव्य Course Course-09

पाठ्य-पुस्तकें: 1. महा प्रस्थान – नरेश मेहता

2. संसद से सड़क तक –सुदामा पाण्डे 'धूमिल'

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. महाप्रस्थान – नरेश मेहता

'महा प्रस्थान' का काव्य- स्वरूप,
महा प्रस्थान' के मुख्य पात्र- युधिष्ठिर, द्रौपदी, भीम, अर्जुन , महाप्रस्थान' का सन्देश ,
महा प्रस्थान' का स्वर्ग पर्व , 'महाप्रस्थान' का भाव पक्ष और कलापक्ष |

इकाई-2. संसद से सडक तक – धूमिल'

'संसद से सड़क तक', में आधुनिकता-बोध,
'संसद से सड़क तक' में अस्तित्ववादी एवं क्षणवादी जीवन-दर्शन,
'संसद से सड़क तक' आत्मबोध का काव्य, 'संसद से सड़क तक' में भावात्मकता, लोकतंत्र, राजनीति का चित्रण | 'संसद से सड़क तक' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-3. प्रयोगवादी एवम् नई कविता : प्रवर्तक और विशेषताएँ, महा प्रस्थान' के गौण पात्र |

इकाई-4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रबंध – काव्य- जनवादी काव्य, यथार्थवादी समकालीन काव्य

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
6. युग चारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
7. दिनकर का काव्य –डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

अथवा

प्रश्नपत्र - 9 . B. छायावाद Course Course-09

पाठ्य-पुस्तकें :

1. **रश्मिबंध- सुमित्रानंदन पंत**
2. **राम की शक्ति पूजा - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. **पंत: साहित्यिक परिचय, 'रश्मिबंध' में प्रकृति-चित्रण**
छायावाद और 'रश्मिबंध', 'रश्मिबंध' में नारी-भावना
'रश्मिबंध' एक गीतिकाव्य के रूप में, 'रश्मिबंध' का भाव और कला-पक्ष

इकाई- 2. **'राम की शक्ति पूजा' का काव्य-स्वरूप, 'राम की शक्ति पूजा' की पात्र-सृष्टि, 'राम की शक्ति पूजा' में रस-योजना और प्रकृति-चित्रण, 'राम की शक्ति पूजा' का कला-पक्ष, 'राम की शक्ति पूजा' एक कालजयी रचना।**

इकाई- 3. **छायावाद का ऐतिहासिक महत्व, हिंदी साहित्य में छायावाद का स्थान, छायावाद और पंत।**

इकाई- 4. **छायावाद के उद्भव और छायावाद के पतन के कारण। छायावाद में 'निराला' का स्थान।**

अंक-विभाजन:

प्रश्न 1. पठित पुस्तकों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. **निराला का काव्य:विविध संदर्भ-डॉ.मीरा श्रीवास्तव (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
2. **निराला-संपा. डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
3. **सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित**
4. **पंत की काव्य-भाषा-डॉ.कांता पंत (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
5. **छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)**
6. **निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)**
7. **हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
8. **हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)**
9. **आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
10. **हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
11. **हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी**

==========

प्रश्नपत्र – 10. दृश्य-श्राव्य माध्यम लेखन Core Course -10

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

इकाई-2 टी.वी. नाटक की तकनीक, संचार माध्यम के अन्य विविध रूप, टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य-वैषम्य, साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण-कला।

इकाई-3. रेडियो नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक में अतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई-4 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।
संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि, संचार माध्यमों की भाषा।

अंक विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाइयों से पाँच संक्षिप्त प्रश्न (05 x 2 = 10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. मीडिया-लेखन-डॉ. चंद्र प्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
2. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
3. जनसंचार-विविध आयाम-ब्रज मोहन गुप्त
4. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
5. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ. हरिमोहन
6. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
7. मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
8. फीचर लेखन:स्वरूप और शिल्प- डॉ.मनोहर प्रभाकर (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
10. टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
11. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

==========